No. of Printed Pages : 4

MMDE-065

M.Ed. SPECIAL EDUCATION MENTAL RETARDATION (MEDSEMR)

Term-End Examination

00283

December, 2018

MMDE-065 : IDENTIFICATION AND ASSESSMENT OF CHILDREN WITH MENTAL RETARDATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

Note : *Both Part A and Part B are* ***compulsory.***

PART A

Answer any ***three*** *of the following questions in about 200 words each.* *3×5=15*

1. What is mental retardation and how it is different from mental illness ?

2. How would you prevent mental retardation ? Briefly discuss.

3. Define mainstreaming. Discuss how would you facilitate mainstreaming of children with mental retardation.

4. Mention the socio-cultural implications with reference to women with mental retardation.

5. Describe the scope of physiotherapy and its role in the rehabilitation of children with mental retardation.

PART B

*Answer any **four** of the following questions in about 600 words each.* *4×15=60*

6. Explain different psychological assessments and their role in educational planning.

7. What are the therapeutic characteristics of music and how can it help children with disabilities ? Discuss.

8. Underline the importance of physical education and discuss how it is useful as adapted physical education for children with mental retardation.

9. As a special educator, what would be your approach to integrate all the people with disability through Community Based Rehabilitation (CBR) programme ?

10. Bring out the salient features of the Persons With Disabilities Act, 1995 for ensuring equal opportunities for PWD. Give reasons why it is further revised.

11. As a criterion of diagnostic system, developmental assessment is mandatory in assessing mental retardation. Explain with suitable examples.

एम.एड. विशेष शिक्षा मानसिक मंदता
(एम.ई.डी.एस.ई.एम.आर.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2018

एम.एम.डी.ई.-065 : मानसिक मन्द बच्चों की पहचान एवं आकलन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *भाग अ एवं भाग ब दोनों **अनिवार्य** हैं ।*

भाग अ

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *3×5=15*

1. मानसिक मंदता क्या है तथा यह मानसिक रोग से किस प्रकार भिन्न है ?
2. मानसिक मंदता की किस प्रकार रोकथाम की जा सकती है ? संक्षेप में चर्चा कीजिए ।
3. मुख्यधारा में शामिल करना (mainstreaming) को परिभाषित कीजिए । मानसिक मंद बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए आप किस प्रकार प्रोत्साहित करेंगे ? चर्चा कीजिए ।
4. मानसिक मंद महिलाओं के संदर्भ में सामाजिक-सांस्कृतिक निहितार्थों का उल्लेख कीजिए ।
5. फ़िज़ियोथेरपी के क्षेत्र तथा मानसिक मंद बच्चों के पुनर्वास में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए ।

भाग ब

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** *प्रश्नों के उत्तर लगभग 600 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *4×15=60*

6. विभिन्न मनोवैज्ञानिक आकलनों तथा शैक्षिक योजना में उनकी भूमिका की व्याख्या कीजिए ।

7. संगीत की उपचारिक विशेषताएँ क्या हैं तथा यह विकलांग बच्चों की किस प्रकार सहायता कर सकता है ? चर्चा कीजिए ।

8. शारीरिक शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित कीजिए तथा चर्चा कीजिए कि अनुकूलित शारीरिक शिक्षा मानसिक मंद बच्चों के लिए किस प्रकार उपयोगी है ।

9. एक विशेष शिक्षक होने के नाते समुदाय आधारित पुनर्वास (सी.बी.आर.) कार्यक्रम के द्वारा सभी विकलांग लोगों को सम्मिलित करने का आपका क्या उपागम होगा ?

10. "पर्सन्स विद डिस्एबिलिटीज़ ऐक्ट, 1995" की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए जिनसे पी.डब्ल्यू.डी. को समान अवसर मिल पाएँ । इसे पुनः संशोधित करने के कारण दीजिए ।

11. निदानात्मक तंत्र के मानक के रूप में विकासात्मक आकलन मानसिक मंदता के आकलन में आवश्यक है । उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए ।